

थाना राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एन्टीकरण ब्यूरो, जय  
जवान पेट्रोल पम्प के सामने, जी.ई. रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)  
क्रमांक/ब्यूरो/राय/थाना/ 12 /2015 रायपुर, दिनांक—12.02.2015



✓ पुलिस अधीक्षक,  
एन्टीकरण ब्यूरो, रायपुर,  
जिला—रायपुर, (छत्तीसगढ़)

असल नम्बर पर अपराध पंजीकरण करने बाबत।

संदर्भ:-

आपका पत्र क्रमांक/पुअ/एसीबी/1165/2015 रायपुर दिनांक— 12.02.2015

आपके संदर्भित पत्र के माध्यम से थाना राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एन्टीकरण

143 ब्यूरो, रायपुर (छ0ग0) में आरोपी क्रमांक: (1) श्री शिवशंकर भट्ट, प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय रेडडी, ए.ए.ओ., (5) श्री कीर्तिकांत बारीक, स्टेनो टायपिस्ट, (6) श्री डी०क० चन्द्रवंशी, ए.ओ., (7) श्री जी०क० देवांगन, ए.ओ., (8) श्री गिरीश शर्मा, एमडी नॉन का पीए, (9) श्री सतीश कैर्वत, क्यू.आई., केशलूर जिला जगदलपुर, (10) श्री हरीश सोनी, क्यू.आई. कांकेर जिला कांकेर, (11) श्री क्षीरसागर पटेल, जूनियर टेक्निकल असिस्टेंट, क्यू.आई. रायगढ़, (12) श्री आलोक चन्द्रवंशी, क्यू.आई. राजनांदगांव, (13) श्री हरदीप सिंह भाटिया, प्रभारी क्यू.आई. (तकनीकी सहायक) वेयर हाउस धमतरी, (14) श्री एस०क० चंद्राकर, क्यू.आई. रायपुर, (15) श्री सुधीर कुमार भोले, ए.ए.ओ. रायपुर, (16) श्री विशाल सिन्हा, क्यू.आई. अंबिकापुर, (17) श्री योगेश गुप्ता, क्यू.आई. प्रतापपुर, (18) श्री को०क० यदु जिला प्रबंधक बिलासपुर, (19) श्री टी०डी० हरचंदानी, जिला प्रबंधक धमतरी, (20) श्री आर०एन० सिंह, जिला प्रबंधक सूरजपुर, (21) श्री एन०क० धुर्घर, डी०ई०ओ० महासमुंद, (22) श्री डी०क० शर्मा, नॉन वेयर हाउस प्रेमारी बालोद, (23) श्री डी०पी० तिवारी जिला प्रबंधक बालोद, (24) श्री संदीप अंग्रेवाल, कंपनी सेकेटरी रायपुर, (25) श्री डी०एस० कुशवाहा, क्वालिटी कन्ट्रोल असि० मैनेजर रायपुर, (26) श्री आर०पी० पाठक, क्वालिटी कन्ट्रोल असि० मैनेजर, (27) मधुरिमा उर्फ रीमा शुक्ला, (28) एवं अन्य के विरुद्ध अपराध क्रमांक—09/2015 धारा—109, 120बी भारतीय दण्ड विधान एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(1)डी, 13(2) का अपराध दिनांक— 12.02.2015 को पंजीबद्ध किया गया है।

प्रथम सूचना प्रतिवेदन की द्वितीय प्रति आपकी ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न सादर प्रेषित है।

पृ०क्रमांक/ब्यूरो/राय/थाना/  
प्रतिलिपि :-

/2015 रायपुर, दिनांक—12.02.2015

श्रीमान् अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एन्टीकरण ब्यूरो, रायपुर (छ0ग0) कृपया सूचनार्थ सादर प्रेषित है।

मुख्योक्ति-058-EOW/रीड०

55

सत्यापत प्रति  
(एस.डी.देवस्थल)  
निरीक्षक इ.ओ.डब्ल्यू/ए.सी.टी.  
रायपुर (छ.ग.)

थाना प्रभारी  
राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं  
एन्टीकरण ब्यूरो, रायपुर, (छ0ग0)

पुलिस हिन्दी

फार्म नं. 1

पृष्ठ क्रमांक

प्रथम सूचना प्रतिवेदन (धारा 154 वं प्रक्रिया संहित के अंतर्गत)  
FIRST INFORMATION REPORT (Under Sec. 154 Cr. P.C.)

1. \*जिला रायपुर \*आना राज्य आर्थिक \*वर्ष 2015 \*प्र.सू.प.क 09 / 2015 \*दिनांक 12.02.2015  
अपराध अन्वेषण व्युतो,  
रायपुर
2. (1)\*विधान भा.दं.वि. धाराएं 109,120 बी  
(2)\*विधान धारा  
(3)\*विधान धारा  
(4)\*अन्य विधान एवं धराएं भ.नि.अ. 1988 13 (1)(जी) सहपठित धारा 13(2)
3. (अ) संदर्भित रोजनामचा सान्हा कं.  
(ब)घटना का दिन \*दिनांक 12.2.2015 के पूर्व से लगातार \*समय  
(स) थाने पर सूचना प्राप्त दिनांक 12.2.2015 के 13:00 बजे रो.सा. 75 / 12.02.15  
होने का दिनांक
4. सूचना का प्रकार : \*लिखित/मौखिक लिखित करीबन 1 कि०मी० पूर्व की ओर
5. घटना स्थल : (अ) थाने से दिशा व दूरी नागरिक आपूर्ति निगम का मुख्यालय भवन  
(ब)\*घटना स्थल का पता) अवंति विहार रायपुर (छ०ग०)
- (स) घटना स्थल अन्य थाना क्षेत्राधिकार है तो थाना
6. अभियोगी/सूचनाकर्ता : (अ) नाम श्री रामकृष्णदुबे निरीक्षक  
(ब)पिता/पति/पालक श्री आर.एस.दुबे नाम  
(स)जन्म दिनांक/वर्ष 54 वर्ष (ड) राष्ट्रीयता भारतीय  
(द)पासपोर्ट नं. जारी दिनांक जारी होने का स्थान  
(क)व्यवसाय नौकरी (ख) पता एन्टी करपशन व्यूरे रायपुर छ.ग.
7. ज्ञात/अज्ञात/संदेही/आरोपी का पूर्ण विवरण (आवश्यकतानुसार पृष्ठक पृष्ठ का प्रयोग करें)  
 1. शिवशंकर भट्ट, प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय रायपुर  
 2. अरविंद ध्रुव, स्टेनो टायपिस्ट  
 3. जीतराम यादव, सीनियर असिस्टेंट  
 4. त्रिनाथ रेड्डी, ए.ए.ओ.  
 5. कीर्तिकांत बारीक, स्टेनो टायपिस्ट  
 6. डी.के.चंद्रवंशी, ए.ओ.  
 7. जी.के.देवांगन, ए.ओ.  
 8. गिरीश शर्मा, एमडी नॉन का पीए  
 9. सतीश कैवर्त, क्यू.आई., केशलूर जिला जगदलपुर  
 10. हरीश सोनी, क्यू.आई. कांकेर, जिला कांकेर  
 11. क्षीरसागर पटेल, जूनियर टेक्निकल असिस्टेंट, क्यू.आई, रायगढ़  
 12. आलोक चंद्रवंशी, क्यू.आई. राजनांदगांव  
 13. हरदीप सिंह भाटिया, प्रभारी क्यू.आई (तकनीकी सहायक), वेयर हाउस धमतरी  
 14. एस.के.चंद्राकर, क्यू.आई. रायपुर

सत्यापित प्राप्ते

(एस.डी.देवस्थल) ए.सी.टी.  
निरीक्षक इ.ओ.डब्ल्यू रायपुर (छ.ग.)

15. सुधीर कुमार भोले, ए.ए.ओ. रायपुर
16. विशाल सिन्हा, क्यू.आई, अबिंकापुर
17. योगेश गुप्ता क्यू.आई, प्रतापपुर
18. के. के. यदु, जिला प्रबंधक, बिलासपुर
19. टी.डी.हरचंदानी, जिला प्रबंधक, धमतरी
20. आर.एन.सिंह, जिला प्रबंधक, सूरजपुर
21. एन.के.धुरंदर, डीएओ, महासभुंद
22. डी.के.शर्मा, नॉन वेयर हाउस प्रभारी, बालोद
23. डी.पी.तिवारी, जिला प्रबंधक बालोद
24. संदीप अग्रवाल, कंपनी सेकेटरी, रायपुर
25. डी.एस.कुशवाह, क्वालिटी कंट्रोल असि. मैनेजर रायपुर
26. आर.पी.पाठक, क्वालिटी कंट्रोल, असि. मैनेजर
27. मधुरिमा उर्फ रीमा शुक्ला
28. एवं अन्य

8. अभियोगी/सूचनाकर्ता द्वारा सूचना दिये जाने में विलम्ब का कारण

सूत्र सत्यापन के उपरांत

9. अपहत/सम्बद्ध संपत्ति का पूर्ण विवरण (आवश्यकतानुसार पृथक पृष्ठ का प्रयोग करें)

10. \*अपहत/सम्बद्ध संपत्ति का कुल मूल्य

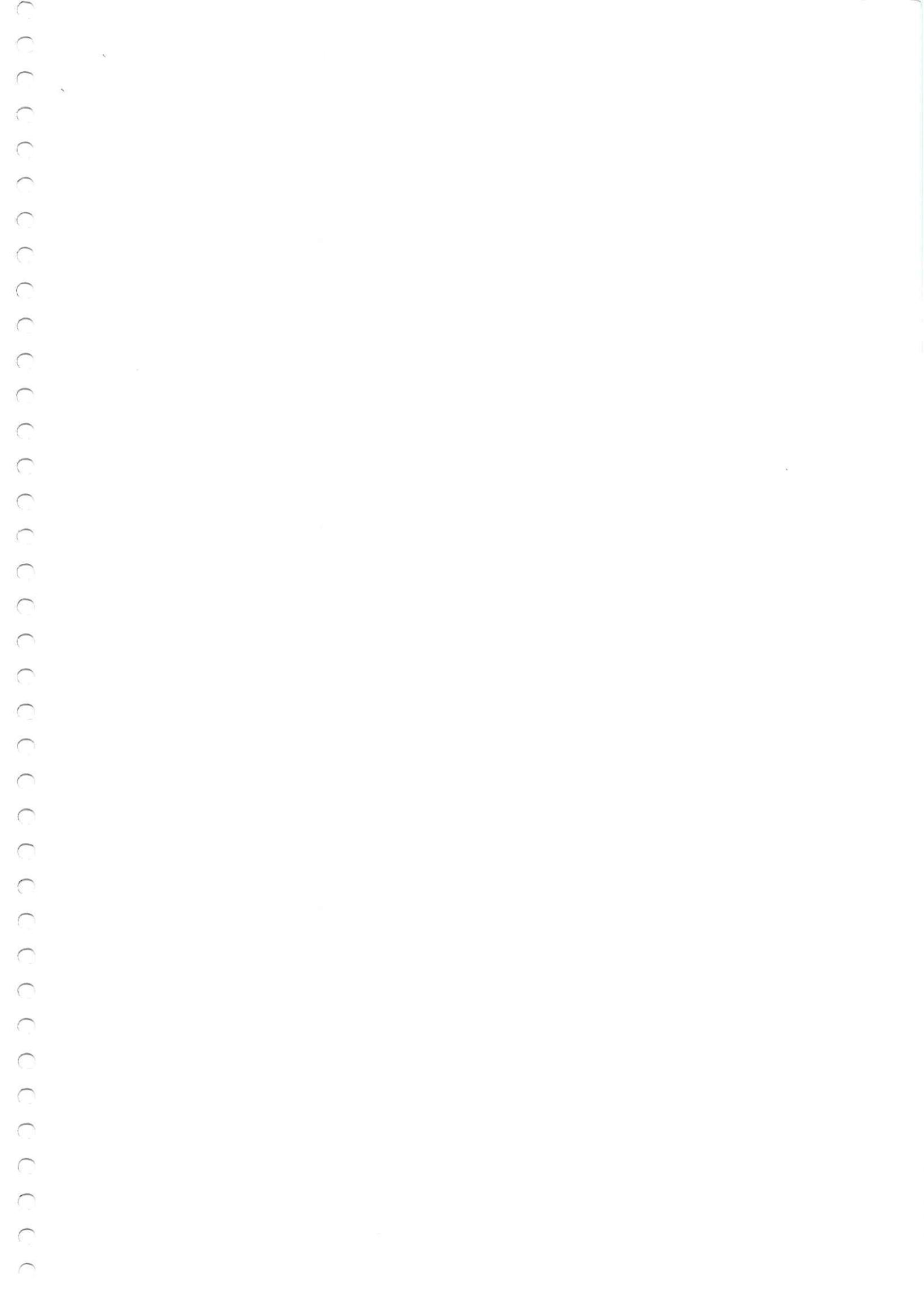
11. \*मर्म/अकाल मृत्यु सूचना क्रमांक (यदि हो)

12. \*प्रथम सूचना विवरण : (आवश्यकतानुसार पृथक पृष्ठ का प्रयोग करें)

मैं राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो रायपुर में थाना प्रभारी/निरीक्षक के पद पर पदस्थ हूँ। मुझे आज निरीक्षक श्री आर०के० दुबे एन्टीकरण ब्यूरो रायपुर से पुलिस अधीक्षक एन्टीकरण ब्यूरो रायपुर का पत्र क्रमांक/पुअ/एसीबी/1165/2015 दिनांक 12.02.15 के माध्यम से अपराध क्रमांक 0/2015 धारा— 109, 120बी, भा०द०वि० एवं 13(1)डी, सहपठित धारा 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की बिना नम्बरी प्रथम सूचना पत्र थाना राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण/एन्टीकरण ब्यूरो रायपुर में प्रस्तुत किया है। उक्त बिना नंबरी नालसी पर मेरे द्वारा नम्बरी अपराध क्रमांक 09/2015 धारा— 109, 120बी, भा०द०वि० एवं 13(1)डी, सहपठित धारा 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 पंजीबद्ध किया गया। बिना नम्बरी नालसी की नकल जैल है :— मैं एन्टी करण ब्यूरो, रायपुर छत्तीसगढ़ में निरीक्षक के पद पर पदस्थ हूँ कि मुझे नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय तथा जिलों में पदस्थ जिला प्रबन्धकों एवं क्यू.आई. द्वारा कस्टम मीलिंग के चावल जमा कराने की आड़ में राईस मिलर्स से अवैध रूप से करोड़ों रूपये की धन वसूली करने संबंधी सूत्र सूचना सत्यापन हेतु प्राप्त हुई थी।

मेरे द्वारा दिनांक 2.01.2015 को मुख्यालय में पंजीकृत गुप्त सूचना का सत्यापन किया गया, जिसमें मैंने पाया कि छत्तीसगढ़ शासन के अधीन नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा खरीफ वर्ष 2014–15 का धान उपार्जन कर राईस मिलरों से कस्टम मीलिंग कराया जाकर उसे चावल संग्रहण केन्द्र में शासन की नीति के तहत चावल की निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार इसे जमा कराया जाता है। इस वर्ष भी शासन द्वारा निर्धारित गुणवत्ता के मापदण्ड निर्धारित किये गये थे, जिसमें कि चावल की क्वालिटी, ब्रोकन की मात्रा एवं अन्य कई स्पेशिफिकेशन उल्लेखित हैं साथ ही इसके वेट, पैकिंग पर भी स्पष्ट निर्देश हैं। जिनके पालन के बिना चावल को रिजेक्ट किया जा सकता है। चावल की क्वालिटी जॉचने हेतु क्यू.आई. अधिकृत हैं तथा नॉन का गोडाउन इंचार्ज एवं वेयरहाउस इंचार्ज द्वारा उसके पैकिंग एवं स्टेप्डर्ड वेट आदि मापदण्डों की जॉच की सत्यापत्तेष्टी है। तदोपरांत सभी जगह से ओके रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधित मिलर के चावल का संग्रहण किया जाता है। चावल लॉट के जमा दस्तावेजों के आधार पर राईस मिलर्स को फ्रेश (एस.डी.एस.एस.के.सी.एस.) मीलिंग हेतु इश्यू होता है। इन प्रक्रियाओं की पेचीदगियों में एवं परेशानियों से बचने वाले इ.ओ.डब्ल्यू.एस. गुणवत्ता के चावल को पास कराने के एवज में धनराशि नॉन के अधिकारियों द्वारा अधिकांश राईस मिलरों से अवैध रूप से वसूली जाती है। जिसकी शिकायत मजबूरीवश एवं और अधिक परेशानियों में न पड़ने की वजह से कोई कहीं नहीं कर पाता। यह कि व्यवस्था सुचारू एवं

सत्यापत्तेष्टी  
निरीक्षक इ.ओ.डब्ल्यू.एस.के.सी.एस. गुणवत्ता के चावल को पास कराने के एवज में धनराशि नॉन के अधिकारियों द्वारा अधिकांश राईस मिलरों से अवैध रूप से वसूली जाती है। जिसकी शिकायत मजबूरीवश एवं और अधिक परेशानियों में न पड़ने की वजह से कोई कहीं नहीं कर पाता। यह कि व्यवस्था सुचारू एवं



सुदृढ़ रहे, इसकी जिम्मेदारी जिला प्रबंधक नॉन तथा प्रदेश के मुख्यालय के अधिकारियों की सीधे तौर पर होती है, परंतु अपने दायित्व को सतही तौर पर निभाने का उपकरण करते हुये उनके सीधी कानकारी में यह पूरा रैकेट चलता है एवं भारी मात्रा में अवैध धन की उगाही करके हिस्से के रूप में हेडक्वार्टर में भी जमा होता है। यहां उल्लेखनीय है कि किसी भी तरह का लेनदेन की कोई कार्यवाही इन केन्द्रों में व हेडक्वार्टर के शासकीय कार्य में नहीं है। परंतु अवैध धन सामान्य रूप से इन केन्द्रों में एकत्रित होता रहता है एवं केन्द्रों में एकत्रित होकर नॉन मुख्यालय में उपलब्ध रहता है। सूत्र जॉच में उजागर हुआ है कि नागरिक आपूर्ति निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिपात्र अधिकारी शिवशंकर भट्ट, जो कि पूर्व में रिश्वत लेते हुए द्रेप हो चुका था, परंतु अधिकारियों के बचाये जाने के प्रयास के कारण अब तक प्रकरण में चालानी कार्यवाही से बचता रहा है, के द्वारा खुले तौर पर दुस्साहस के साथ अवैध धन को एकत्रित कर उसके वितरण का कार्य अपने स्वयं के निर्देश एवं वरिष्ठ अधिकारियों की सहमति के आधार पर विश्वस्त अधि./कर्म. अरविंद ध्रुव, जीतराम यादव, त्रिनाथ रेड्डी, एवं कीर्तिकांत बारीक, डी.के.चंद्रवंशी एओ एवं जी.के. देवांगन, एओ आदि के साथ मिलकर तथा नॉन के एमडी के पीए के तौर पर कार्य कर रहे गिरीश शर्मा जो कि वरिष्ठ अधिकारियों का अत्यंत विश्वस्त है, के माध्यम से उक्त धनराशि को गोपनीय रूप से इसका वितरण वरिष्ठ अधिकारियों को प्रतिमाह किया जाता है। इसी जॉच में सूत्रों से यह भी पता चला है कि मैदानी क्षेत्रों में पदस्थ क्यूआई. द्वारा इसी तरह की वसूली की जाती है, जिसमें कुछ लोकसेवक जैसे कि केशलूर जिला जगदलपुर में पदस्थ सतीश कैर्वत, कांकेर में हरीश सोनी, रायगढ़ में क्षीरसागर पटेल, राजनांदगांव में आलोक चंद्रवंशी, धमतरी में हरदीप सिंह भाटिया जेटीए (नॉन गोदाम प्रभारी), रायपुर में एस.के.चंद्राकर क्यूआई. एवं सुधीर कुमार भोले, एओ, सूरजपुर में विशाल सिन्हा क्यूआई, योगेश गुप्ता क्यूआई तथा बिलासपुर में पदस्थ जिला प्रबंधक के. के. यदु, धमतरी में पदस्थ जिला प्रबंधक टी.डी.हरचंदानी, सूरजपुर में पदस्थ जिला प्रबंधक आर.एन.सिंह, जिला कार्यालय महासमुद्र में पदस्थ एन.के.धुरंदर डीएओ, बालोद में पदस्थ डी.के.शर्मा नॉन गोदाम प्रभारी एवं जिला प्रबंधक डी.पी.तिवारी आदि अवैध वसूली कार्य में संलग्न हैं।

इसी तरह पूरे प्रदेश में क्वालिटी की जॉच हेतु संदीप अग्रवाल, कंपनी सेकेटरी को अधिकृत किये जाने की जानकारी है, जिसके पास क्वालिटी के जॉच करने से संबंधित कोई भी योग्यता नहीं है, इसके साथ एफसीआई से रिटायर्ड अधिकारी डी.एस.कुशवाह एवं आर.पी.पाठक, जो दोनों संविदा पर असि. मैनेजर क्वालिटी कंट्रोल की हैसियत से कार्य कर रहे हैं, के द्वारा क्वालिटी जॉच के कार्य को साशय लोप किया जाकर उक्त अवैध वसूली के उद्देश्य से किया जा रहा है एवं स्वयं के फायदे के लिये षड्यंत्रपूर्वक सुनियोजित तरीके से खराब क्वालिटी के चावल को स्वीकार करने एवं मिलर्स से कस्टम मीलिंग के चावल को परिवहन कराकर ये सभी अधिकारी अपने अपने व्यक्तिगत धन संबंधी लाभ के लिये जमा कराते समय शासन द्वारा निर्धारित कस्टम मीलिंग की सम्पूर्ण प्रक्रिया के आदेशों, निर्देशों का नियमानुसार पालन न कराकर अनदेखी करने के एवज में अवैध रूप से प्रतिमाह करीबन दो करोड़ रुपये की अवैध वसूली लगातार कर रहे हैं। इस 2 करोड़ रुपये की राशि में से आधी राशि नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को गिरीश शर्मा के माध्यम से उनके हिस्से के रूप में वितरित की जा रही है, शेष राशि को मुख्यालय कार्यालय में पदस्थ उक्त अधिकारी/कर्मचारियों में बॉटी जाती है। मुख्यालय व जिलों में पदस्थ नॉन के सभी अधि./कर्म. लोकसेवक हैं। इनके द्वारा अपने पदों का दुरुपयोग कर भारी मात्रा में रूपयों की अवैध वसूली की जा रही है।

चावल के अलावा दाल, चना एवं नमक की खरीदी में भी मैनीप्लेशन कर कुछ सप्लायर्स से सॉक्ट्हॉट कर कम गुणवत्ता एवं निर्धारित मापदण्डों से निम्न स्तर की सप्लाई इन्हीं अधिकारियों द्वास की जाने की पुष्टि सूत्रों द्वारा की गई है, इसके एवज में भी भारी धनराशि की अवैध उगाही (एस.डी.विवरजन नैटवर्क) है। सत्यापन पर यह बात भी पायी गई है कि शिवशंकर भट्ट की अत्यंत विश्वस्त निरीक्षक इ.अप्पूर्युद्धीजा उर्फ रीमा शुक्ला, शिवशंकर भट्ट के हिस्से की धनराशि एवं उसकी बेनामी संपत्ति को छिपाने में मदद करती है।

सूत्र सत्यापन के दौरान शिवशंकर भट्ट की रायपुर, दिल्ली में जमीन, पेट्रोल पम्प, फ्लैट तथा उसके अत्यंत विश्वस्त मधुरिमा उर्फ रीमा शुक्ला एवं उसके रिश्तेदार इत्यादि के नाम पर

करोड़ो रुपये की बेनामी संपत्ति बनाई गई है, जो ग्राम रिसनी, तरा, शंकर नगर रायपुर में स्थित है एवं अनेकों बैंक एकाउन्ट नंबर व लॉकर इत्यादि की जानकारी भी उपलब्ध हुई है। सूत्र जॉच के दौरान ही अभी यह सूचना प्राप्त हुई है कि नॉन मुख्यालय में पदस्थ प्रबंधक शिवशंकर भट्ट द्वारा अपने स्टेनो टायपिस्ट को 20 लाख रुपये पीए टू एमडी गिरीश शर्मा को एक घण्टे के भीतर लाकर देने के लिये कहा है।

इसी तरह अन्य पैसे का भी वितरण तुरंत ही किया जाने वाला है। उक्त स्थितियों में तत्काल कार्यवाही किया जाना आवश्यक है, चूंकि सक्षम न्यायालय से विधिअनुरूप सर्व वारंट लिये जाने की प्रक्रिया में विलंब होगा एवं इस प्रक्रिया में अवैध रकम अफरा-तफरी होकर महत्वपूर्ण साक्ष्य नष्ट हो जावेंगे। इसलिये अपराध पंजीबद्ध कर बिना सर्व वारंट प्राप्त किये तत्काल रकम बरामदगी की कार्यवाही आवश्यक होने से धारा 13 (1)डी, 13(2) भ्रनिअ 1988 एवं 109 व 120 (बी) भादवि का अपराध पंजीयन कर विवेचना में लिया गया।

(12/2/2016)  
(लौरेन्स खेस)

थाना प्रभारी / निरीक्षक  
हस्ताक्षर प्रभारी अधिकारी

13. कार्यवाही जो की गई : उपरोक्त विवरण से धारा 109, 120बी भादवि एवं 13(1)डी सहपठि धारा 13 (2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया/नहीं लिया गया तथा को प्रकरण विवेचना हेतु सौंपा गया। या क्षेत्राधिकार के दृष्टिगत थाना जिला को, स्थानांतरति किया गया या दं. प्र.सं. की धारा 154 'ब' के अंतर्गत कार्यवाही की गई अभियोगी/सूचनाकर्ता को प्र. सू. पत्र पढ़वाकर/पढ़कर सुनाया गया, जिन्होंने सही-सा अभिलिखित होना स्वीकार किया। इसकी एक प्रति सूचनाकर्ता को निःशुल्क प्रदाय की गयी।

(12/2/2016)  
हस्ताक्षर प्रभारी अधिकारी

\*(नाम) लौरेन्स खेस

\*(पद) निरी.

\*(नं. यदि है)

अभियोगी/सूचनाकर्ता के हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा प्रति,

माननीय न्यायालय माननीय विशेष न्यायाधीश (भ्रनिअ रायपुर) की ओर सूचनार्थ।

सत्यापित प्रति

(एस.डी.देवस्थले)  
निरीक्षक इ.ओ.डब्ल्यू. एसीटी  
रायपुर (छ.ग.)

अमान पुरीव्यक्तिगत  
राज्य सरकार द्वारा  
दिल्ली

विषय - राज्य सरकार द्वारा

विषयालिक विषय के दृष्टव्य हैं कि मेरे  
इस दिनोंका 2.1.2015 ने - न्युयार्ल्य के पश्चिम  
सात राज्य सरकार द्वारा दायर किया गया विषय  
में भारत की अलीसेप्ट बोर्ड के अधीन नामित  
आमुनी नियम द्वारा 2015-16 वार्षिक  
उपायकारी राज्य सरकार द्वारा दायर की  
जाए और इसका उपायकारी वार्षिक देशवासी के  
भारत की आवास की नियमित गुणवत्ता के  
कानून द्वारा जगत् विद्युत द्वारा दायर की  
भारत द्वारा विचारित गुणवत्ता के नामित विषय  
किए गए थे, जिसमें आवास की विवाही विधि  
की ग्रामीण और अन्य सभी विधियों के अन्तराल  
है, यथा श्री उपायकारी, योग्यता आवास की अवधि  
है। जिनके पावत द्वारा योग्यता को संविधि  
किया जा सकता है। आवास की विवाही विधि  
है तथा आवास की विवाही विधि  
के अन्तराल आवास की विवाही विधि  
के अन्तराल आवास की विवाही विधि  
है। नामित अवधि आवास की विवाही विधि  
है। इनकी एक विवाही विधि है जो आवास की विवाही विधि  
है। इनकी एक विवाही विधि है जो आवास की विवाही विधि  
है।

सत्यापित प्रति  
(एस.डी.दवस्था)  
प्रियकांक इ.ओ.डब्ल्यू.  
रायपुर (छ.ग.)

Contd. 2

अधिकार पर राष्ट्रीय मिलिंग की फैसला था कि ग्रन्ति  
 भीतर देखा दी जाए है। इन शक्तियों के प्रतीकारियों  
 में सरकारी वेतनों पर जन आमतंत्र के चाल  
 की पक्ष जाने के लिए इन शक्तियों ने उन्हें  
 अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय मिलिंग से छोड़ा गया  
 वस्त्री जाती है। जिसकी विकास अपर्याप्त  
 १ अधिक प्रशासनियों में बहुत की वजह से  
 जीवन की जीवन नहीं होता। यह कि लकड़ी बुनाफ  
 २ दुष्ट है, इसकी जिवावाई जिस प्रकार नहीं  
 तथा प्रदेश के अस्थावर्य के अधिकारियों की  
 सीधे तर पर होती है, फलतु जीवन अभियन्ते  
 को जीवन तर पर नहीं होता तो उपर्युक्त उन्हें  
 इस उन्हें जीवन जीवनी के यह क्षमता  
 यहाँ होने पर भाव आता है और अब यह कि  
 उन्होंने जीवन के जीवन में हैट्रिक के  
 जीवन होता है जो अपर्याप्त है कि जीवनी  
 तरह के लेजेन्ड की जीवन जीवनी वेतन वेतन  
 में वह हैट्रिक के जीवन जीवनी जीवन होता है  
 फल अधिकारी द्वारा जीवन का जीवन होता है  
 जो उस अस्थावर्य के अपर्युक्त नहीं है। यह  
 जीवन में उन्होंने उन्होंने जीवनी जीवनी  
 जीवन के वेतन अधिकारियों के जीवन पर  
 अधिकारी द्वारा जीवन, जो जीवन में रखिया

contine (3)

(3)

वों दुर्देह हो गुड़ा था, रन्तु अधिगारीयों ने उचाई  
 जानि के प्रथाय के अला अब नहि प्रचलित  
 चालनी गाविंग में हृष्टा रुहा है, तो दूसरा  
 रहुने और पर उत्तराखण्ड के साथ अवैध अन  
 की रक्षित वा अपेक्षित विवरण वा बापूजाने  
 सम्म के निर्देश में वर्णित अधिगारीयों के बदलती  
 के अलाइ पर विक्षण अधिकारी की अवैधता दुर्द  
 जी राम यादव, चिन्ह रहिंदी में विभिन्न वर्षीय  
 अपेक्षित चन्द्रवंशी राजा एवं वी.के. देवगढ़ एवं  
 जोधु के साथ विवक्षण वा नोवे उमीद  
 के पारा के लिए एकमें वह विवरण हाला  
 जो कि वर्णित अधिगारीयों का अवैध विवरण  
 है, के साह्यते से उन घटनाक्रिया की अपील  
 ज्ञप्त हो उत्तराखण्ड अधिकारीयों के प्रतीक  
 दिला जाता है। यही जाने के दुर्बलताएँ  
 आपत्ति चलती हैं कि छेदानी कोर्ट वे पदस्थि  
 तकुं शाही दस यही तरह वक्तव्यी के अन्तिम  
 विषय में उक्त लोकसभी वा वा तो उत्तराखण्ड जिला  
 अधिकारीय के पदस्थि दरतीवा के लिए, कोठर के  
 दिला जाती, बागड़ के लोखायपुराव, रामगढ़ीप  
 वा लोखोप चन्द्रवंशी, रामती में वर्षीय एवं  
 ग्रन्थि जीतीए (जान गंदाम प्रगति), बागड़ वे राम  
 चन्द्रवंश वशुआदी, एवं चुचिर लोकों गोते रामती।

उत्तराखण्ड के विशेष सिंहा वकुंशाठी, योगेश्वरी  
 सत्यापन प्रति  
 निरीक्षक इ.आ.डब्ल्यू.  
 रायपुर (इ.आ.)  
 (एस.डी.देवथल)

वकुंशाठी तथा दिलासा में पदस्थि विवरण  
 वा उक्त यु. रामती में पदस्थि विवरण प्रदर्शित  
 हो जैसे हरचंदनी, उत्तराखण्ड में पदस्थि विवरण

Continue 4

करना था, जिसे कामी निवास कुन्द में प्रदर्शन किया गया।  
चूरचूर त्रिवेदी, बाबोद में प्रदर्शन कीर्तन संगीत नाम  
गायम शारीरि विभाग प्रबल डी.पी. टिकटी आदि  
ठेलवद्वाली डी.पी. ने यहाँ देखा है।

इसी तरह उत्तर प्रदेश में कवालिटी की जाग हुई  
संघर्ष क्रमागत, जिसी संटर्टी की अधिकारी निर  
जाने की जमकारी है, जिसके पास कवालिटी की जाग  
करने के अधिकारी की ओर से नहीं है,  
इसके कारण एक सी.डी.ए. से रिटायर्ड अधिकारी  
की एक छुशवाह द्वारा प्र.पी.ए.पी., बी.टी.सी.सी.वी.  
से अप्रैल अंतर्जाल कवालिटी को लैसेटर में  
कर्म कर रहे हैं, के द्वारा कवालिटी जाग के कार्य  
का सामर्थ्य लोग लिया जाए और उस उत्तरवद्वाली  
के उत्तराधिकारी को लिया जाए तथा उसके कार्य  
को फावदे के लिए उत्तरवद्वाली के उत्तराधिकारी  
से संवाद कवालिटी के चावल के लिए जीर्ण  
करकर के अभी अधिकारी वर्षा-2 अप्रैल तक  
दूसरे अधिकारी तोड़ा के लिए खग भरो  
साय श्रावण द्वारा निर्वाचित उत्तरवद्वाली  
संघर्ष प्रक्रिया के आरेको, निर्देशी का विकास  
आवश्यक करकर उत्तरवद्वाली के राज में  
उत्तरवद्वाली प्रतिसाह विवरण की कोड वाली  
की उत्तरवद्वाली लगार के रहे हैं इन्हें  
दो दोष कार्य की वाप्रि जो दो आदी दोषि  
ठारक वाप्रि विभाग भूत्वात्मक उत्तरवद्वाली के

Continue

(5)

वो गिरोहि शर्मा के माहेश द्वे इनके हृष्टुक स्त्रप में  
विनाश की जानकी है। इसमें वासियों के उत्तराधिक  
कारणों में पद्धति और अप्रोत्पत्ति। गोपनीयों  
में बाती जाती है। अन्याधि व विभिन्न  
जीवों के सभी अधिगतियों। विवाहियों गति विवेषण  
है, इनके द्वारा उपने पद्धि का उपयोग कर गयी  
गोपनीयों की कारणों की कावेद्य वस्तुओं की जान  
रखी है।

वावव के उत्तराधिक, चना और गोपनीय  
स्त्रीयों के एवं विवेषण के उपयोगवाद  
में साठें लाख कर तक शुल्कों पर विवेषण  
में लिखा रखा की सलाह द्वारा अधिगतियों द्वारा  
की जाने की शुल्क रखी दाम की गई है। इनके  
बाद में भी भारी घनराशि की कावेद्य उपयोग  
की जानकारी है। यात्रापत्र के सहित भी  
यही गयी है कि विवेषण के उपयोग  
विवेषण मधुरिगांड़ी रसा छटुवाला, विष्णुव  
भट्ट के विष्णु की घनराशि एवं उसी घनराशि  
साधनी के विवाह में उपयोग की जाती है।

इस समापन के बारें विवेषण के  
की शुल्क, विष्णु के घनराशि, विष्णुव  
भट्ट के विष्णु की घनराशि एवं उसी घनराशि  
साधनी के विवाह में उपयोग की जानकारी  
द्वारा कर्पदे की घनराशि साधनी की गई  
है। विष्णुवी, विष्णु, श्रीवरणगर शुल्क में विवेषण  
है, इसको देक विवेषण के उपयोग की जानकारी

सत्यापन प्राप्त  
(स.डी.देवल्पत्र)  
लिपिकाक इ.ओ.डब्ल्यू.  
रायपुर (छ.ग.)

Continued - 6

(e)

की जानकारी ग्री उपर्युक्त दुसरी है कि  
 जोन के वर्षों में डिसी वह सुधार प्राप्त  
 हुई है कि नव भूमध्य से चरस्य प्रकाश  
 विनियोग करते हारे अपने लोगों द्वारा बढ़ते  
 की 20वाँ शताब्दी में एवं 21वीं शताब्दी  
 की की एवं अपने के गीत वारे देखे  
 के लिए उन्होंने इन्हें छोड़ दिया है  
 का ग्रीष्मिकार्य दुर्लभ हो चिना जाएगा  
 है। उन्होंने नेतृत्व के लिए  
 और उन्होंने उपर्युक्त है, तो उन्हें  
 उपर्युक्त देख देते हैं विकल्प होगा  
 उन्हें प्रतिवेद्य के अवध्य रूप उपर्युक्त है  
 अद्यतरी आप वह वे जोगे उपर्युक्त उपर्युक्त  
 प्रतिवेद्य है जो सभी वार्षिक प्रतिवेद्य है  
 एवं उपर्युक्त की जानकारी अपर्युक्त है कि  
 युधन उपर्युक्त एवं नारिक उपर्युक्त निष्ठा भूमध्य  
 विलोग में उपर्युक्त प्रतिवेद्य एवं उपर्युक्त  
 वारे के सेवन के काम में उपर्युक्त एवं उपर्युक्त  
 उपर्युक्त एवं उपर्युक्त उपर्युक्त उपर्युक्त  
 के लिए यह सुधारणी नाम प्राप्त किया  
 है एवं उपर्युक्त एवं उपर्युक्त

contd.

(7)

संवाद 13(1) त्रि, 13(2) भूमाला निवारण

नवीनीकरण, 1988 का 109 व 120 ब अधियो-

द्यो देखिता का अवाद्य पंचायतीय फॉर्म

आगे की अनुशासा की जाती है।

~~प्रतिवेदन अवाद्य का प्रत्युत्तमा~~

दिनांक 12.2.2015

31 12.2.2015

(संकेतक)

संकेतक अधिकारी कर्षण युवा

सत्यापत्ति प्राप्ति

(एस.डी. देवस्थल)

निरीक्षक इ.ओ.डब्ल्यू/एसी.टी.  
रायपुर (छ.ग.)

सुनी,

मुंबई अधीक्षक

राजीव इरुण्डु

दूरीयगढ़, रायपुर

विषय:- भागद्वितीय आपूर्ति निगम किमा, रायपुर के  
व्यापार अधिकार के सम्बन्ध में ज्ञान देना।

प्रश्नवस्तु जूड़ों से जानकारी प्राप्त हुई  
कि भागद्वितीय आपूर्ति निगम दुरव्याक्य तथा  
जिलों में पदस्थ मिला प्रबन्धकों पर व्यापित  
मिलिकों द्वारा कहने मिलिकों के चावल जमा  
करने की छाड़ वे विद्युत मिलिकों से अवैध  
क्रप से कमों कमों की खंड की वस्तु  
की जाती है। दूरीयगढ़ शासन के विधीन  
भागद्वितीय आपूर्ति निगम द्वारा दर्शन त्रायण  
कर एवं विद्युत मिलिकों से कहने मिलिकों  
जाकर उसे चावल वंशज के न्यून के शासन  
की नीति के गहरे चावल की विधीन  
शुणकला के अनुवार की जमा करना  
जाता है।

शासन द्वारा विधीन शुणकला के  
आपदण्ड विधीन दिया गये हैं जिसमें  
चावल की स्वामित्व, शुणकला की सार्वाध्य  
अवैध की विधिप्रदेश उल्लेख है।

सत्यापत प्राप्त  
(एस.डी.देवस्थले)  
निरीक्षक इ.ओ.इल्य  
रायपुर (डॉ.)

साथ ही इसके बारे में पर जी एप्पल  
निदेश है जिसके आला के लिए न्यावल को  
रिप्रिंट किया जा सकता है। ग्रावल की  
रिप्रिंट जो चाहे हो सुनु डाउनलोड कियकृत है  
तथा नाम के मीडिअल इंजीन एवं व्यवहारस  
इंजीन द्वारा उसके प्रिंटिंग एवं स्टॉडर्ड बैर  
आदि ग्रापटों की जांच की जाती है।  
तदोपरान्त सभी जगह से ओडियो फिल्में  
श्राव होने पर समन्वित सिवर के ग्रावल  
जे कागदण लिया जाता है किन्तु उस गुणका  
के ग्रावल के पास कराने के लिए से  
नाम के अधिकारियों द्वारा अधिकार सुनिध  
गिरियों से अवशिष्ट अवयव का देवसुली  
जाती है। यह अवश्या खुलासा एवं सुन्दर है।  
उसके अन्तर्वारी लिए एवं उपयोग नाम तथा  
प्रदेश के भूरभाव के अधिकारियों की  
रूपीय गोर पर होती है, इन्हें वापरे दीर्घित्व  
की सही तरीके पर निमाने का अनुकूल किये  
जाए ताकि शोधी जनकारी के लिए पूरा  
एकेट चाहता है एवं गारी गाड़ी में अवयव  
पर्यावरण की उगाही करके हिस्से के लिए क्षमा  
हेतु कारब में जमा होता है। लागारें आपकी  
निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के स्तरिपन

(3)

अधिकारी विवरण करने जो कि शहर में इसका  
लेने दूर दैप हो चुका है, को बयां रखते होंगे।  
उससाहस के सब अधिकारी यह को एक डिल्ली  
उसके विवरण का कार्य अपने संघर्ष के निर्देश  
में वरिष्ठ अधिकारियों ने सहजति के अधिकार  
पर विश्वस्त जीवि के अस्तित्व और भवितव्य  
वायर, ग्रनाथ रैडी एवं उर्विज्ञ लारीक, जो कि  
प्रबुद्धवेदी १०ओं पृष्ठ के देवोंगण और द्वारा  
को साथ मिलकर तथा जौग के लिए डीके  
पर निरिक्षा शास्त्र के आवश्यक से उत्त  
द्वारा द्वारा को जो विनाय करप से इसका  
विवरण वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिशाहीना  
जात है उसी रहे प्रदेश के स्वालिमी  
की जांच हो रही वह अन्वयन, कम्पनी  
स्टोकेटी, डी० एस्ट छुरुगाह एवं अरपीपाठी  
उसी गतेषु कवालिये लंडल की घास कवालिये  
जांच के कार्य का साझा प्राप्त किया जाए  
उस अधिकारी विवरण के उद्देश्य से किया जा  
रहा है उस प्रकार अधियावकाली के प्राप्तवेद  
वर्गीय मिलिये से अस्त कर राज्य शासन की  
स्थानीय पुकुरावी जा रही है।

लागड़िल आपसी जिजम वरप्रवाद

सत्यापत प्राप्त  
(एस.डी.देवस्थले)  
लिपिक इ.आ.डब्ल्यू.  
रायपुर (छ.ग.)

पर १०५-१५ के अद्याव उपाधीन कर रही है  
मिलिये से फिरस्तम मिलिये करपा जाए

contd (1)

नियमित गुणवत्ता के नावल संग्रही केंद्र  
में शासन की नीति के तहत जमा करया।  
जो वार्षिक नियमित जापानी नियम के  
उपर्युक्त अधिकारियों द्वारा उपर्युक्त लगता है।  
को पालन तथा उस अधिकारियों  
जमा करने के विषय के इसी मिली  
से अपेक्षित जारी है। राज्य नियम  
में इस सुना सुनना का सम्मापन  
कर अपेक्षित किया जाना उचित।

दोस्त

उपर्युक्त सुना समर

सुना है

30

कानूनी

नियमित नियमित जापानी

दिनांक 1. 1. 2015

वापस